जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 83
दिनांक 20.04.2023

कृषि प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर सफलता हेतु सटीक कार्ययोजना महत्वपूर्ण –डॉ. धीरेन्द्र खरे

जनेकृविवि में जेआरएफ,एसआरएफ,नेट और एआरएस प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता कैसे प्राप्त करें विषय पर कार्यशाला

जबलपुर 20 अप्रैल, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से नाहेप और अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग एवं कृषि महाविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में जेआरएफ, एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता के साथ सफलता कैसे प्राप्त करें, ऐसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे के मुख्यआतिथ्य में स्वामी विवेकानंद हॉल में आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यअतिथि की आंसदी से अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने कहा कि कृषि के छात्रों को जेआरएफ,एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने लिये, उन्हें अपना लक्ष्य बनाकर समय प्रबंधन, विषयों पर सटीक जानकारी जुटाना सहित अन्य महत्वपूर्ण बातों का विशेष ध्यान देना होगा। ये कृषि क्षेत्र की परीक्षायें बेहद महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक हैं, जो छात्रों के कैरियर निर्माण में अतिउपयोगी होगी। डॉ. खरे ने कहा कि प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में की गई मेहनत से आप मानसिक रूप से मजबूत हो सकते हैं। हम मेहनत करेंगे अच्छा प्रदर्शन करेंगे, क्षमता भी है लेकिन उस रूप में विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर, कार्ययोजना बनाकर तैयारी कर, सफलता के शिखर तक पहुंच सकें। छात्र–छात्राओं को अपने शिक्षकों से प्रश्न या फिर जो भी जरूरी जानकारी अर्जित करनी है, उसे जरूर पूछे। हमारे सभी विद्यार्थियों के लिये ऐसे कार्यक्रम निश्चित रूप से बहुत ही उपयोगी एवं प्रेरणादायी होते हैं।

कार्यशाला में मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित एग्रोनॉमी वैज्ञानिक, वॉटर टैक्नॉलॉजी सेंटर, आईसीएआर, आईएआरआई, नई दिल्ली डॉ. बिपिन कुमार ने भी कृषि के छात्रों को जेआरएफ,एसआरएफ, नेट और एआरएस परीक्षाओं में उत्कृष्टता कैसे प्राप्त करें, ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रथम सीढ़ी से अंतिम सीढ़ी तक कैसे मेहनत और लगन से प्राप्त कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि किसी भी कॉम्पीटशन का मुख्य मटेरियल बुक मटेरियल होता है। डॉ. बिपिन ने कॉम्पीटशन एग्जाम की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने संबंधी अपने अनुभव छात्रों की बीच साझा किये। इस दौरान छात्रों ने अपनी जिज्ञासा दिखाते हुये डॉ. बिपिन से अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किये।

मुख्य आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने स्वागत उद्बोधन एवं एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये, महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्र उत्कृष्ठता कैसे प्राप्त करें और आगे बढ़े ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। डॉ. शर्मा ने बताया कि स्टूडेंट हेतु कृषि शिक्षा, शोध, विस्तार से जुड़े पूर्व छात्र–छात्राओं का एग्री–कॉनक्लेव शीघ्र ही आयोजित किया जायेगा। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि, अगर आप ठान लो तो किसी भी कॉम्पीटशन में अच्छे अंक अर्जित कर सकेंगे और सफलता के शिखर तक पहुंचेंगे। छात्र–छात्राओं हेतु इस आयोजन के बेहतर व समसामियक निरूपित करते हुये आपने कहा कि कृषि में भविष्य निर्माण में दिशा मिलेगी। नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा ने विद्यार्थियों को (शोधकार्य) थीसिस पुरूस्कार के लिये कैसे अप्लाई करना है और जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में पीजी और पीएचडी के छात्र–छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर कौन–कौन से अवार्ड अपनी मेहनत और लगन से प्राप्त कर सकते हैं। आपने पॉवर पॉइट प्रजेंटेशन के माध्यम से थीसिस अवार्ड प्राप्त करने के संबंध में बहुत ही महत्वपूर्ण और रोचक जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अमित झा ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर डॉ. पी.बी.शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, मुख्यवक्ता डॉ. बिपिन कुमार सहित विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।